IN THE MINISTRY OF WATER RESOURCES (SHRI P. K. THUNGON) :

(a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) The total acreage of land to the covered exclusively under lift Irrigation is not maintained at the Centre.

(d) Central funds are not earmarked for Lift Irrigation separately.

Foreign Aid for Flood Control Projects

1759. SHRI S. AUSTIN : Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state :

(a) the total amount of foreign aid and loans received under the Flood Control Projects during the last three years ;

(b) the total amount allocated to various projects, statewise;

(c) whether any such projects have been earmarked for implementation in Tamil Nadu ;

(d) if so, the details thereof; and

(e) if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WATER RESOURCES (SHRI P. K. THUNGON) :

(a) During the last three years no foreign aid and loans were received for flood control projects.

(b) to (e) Do not arise.

Allegations of Bangladesh Regarding Drying of Rivers in Summers

1760. PROF. SAURIN BHAT A. CHARYA : Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state :

(a) whether the allegation of Bangladesh in respect of the drying up of rivers there in summer and winter and flooding of the silted riverbed because of Farakka has been taken note of by Government ;

(b) how far the allegations are factual and what steps have been taken to meet them; and

(c) whether Government have made supply of Water contingent on the granting of transit facilites ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WATER RESOURCES (SHRI P. K. THUNGON) : (a) and (b) The reporte d allegation of the adverse effects due to Farakka by Bangladesh are not based on facts and these are in the nature of false propaganda. Bangladesh has not accepted India's proposal for their verification by making joint visits to affected areas.

(c) No, Sir.

महाराष्ट्र में जल संसाधनों का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण

1761. **श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन :** क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने महाराष्ट्र में जल संसाधनों का पता लगाने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया है;

(ख) यदि हां, तो उसका जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में सर्वेक्षण कब तक कराए जाने की संभावना है ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा जल संसाधन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० के थुंगन) : (क) से (ग) चूंकि सिंचाई राज्य का विषय है अतः जल संसाधनों के विकास के लिए सर्वेक्षण राज्य सरकारों द्वारा किए जाते हैं । तथापि, अन्तर्राज्यीय नदियों के लिए जल वैज्ञानिक प्रेक्षण केन्द्रीय जल आयोग द्वारा किए जाते है जिनमें महाराष्ट्र की नदियां भी शामिल है । केन्द्रीय भूमि-जल बोर्ड ने महाराष्ट्र में, भूजल उपलब्धता के सर्वेक्षण किए हैं । सर्वेक्षण और अन्वेषण के आधार पर, महाराष्ट्र में वार्षिक पुनर्भरणीय भूजल संसाधन 38835.60 मिलियन घन मीटर आंके गए हैं जिनका जिला वार ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है ।

विवरण

महाराष्ट्र में जल संसाधनों का पता लगाने के लिए किए गए भू-सर्वेक्षणों का ब्यौरा

क्रम सं०	जिले का नाम	कुल पुनर्भरणीय भू-जल संसाधन (मिलियन घन मीटर/वर्ष)
1	थाने	531.46
2	रायगढ़	622.00
3	रत्नागिरि	502.85
4	सिन्धुरदुर्ग	326.71
5	नासिक	1604.40
6	धुले	1566.81
7	जलगांव	1314.64
8	अहमदनगर	2452.01
9	पुणे	1611.23
10	सतारा	1223.19
11	सांगली	959.29
12	शोलापुर	1468.49
13	कोल्हापुर	1413.26
14	औरंगाबाद	1029.73
15	जालना	1123.05
16	परभणी	1726.06
17	बीड	1255.49
18	नांदेड़	1757.33
19	ओस्मानाबाद	973.11
20	लातूर	869.18
21	बुलढाना	1282.85
22	अकोला	1500.03
23	अमरावती	1448.55
24	यावतमल	1563.58
25	वर्धा	726.81
26	नागपुर	1892.18
27	भांदरा	1458.97
28	चन्द्रपुर	2009.53
29	गादचीरोली	2622.81
	कुल :	38835.60